भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा
मौखिक प्रश्न सं. +*364
सोमवार, 22 मार्च, 2021/1 चैत्र, 1943 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

कर्नाटक में पर्यटन को बढ़ावा

+*364. **श्री प्रज्ज्वल रेवन्ना:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को 'एक राज्य अनेक विश्व' के नाम से विख्यात कर्नाटक राज्य में पर्यटन संभावना के बारे में जानकारी है क्योंकि राज्य में पर्वतीय स्थलों, समुद्री किनारों, वन्यजीव, विरासत स्थलों, ऐतिहासिक स्थलों एवं मंदिरों की बहुतायत है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) सरकार द्वारा कर्नाटक में पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु क्या कदम उठाये गये हैं?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (ग): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

कर्नाटक में पर्यटन को बढ़ावा के संबंध में दिनांक 22.03.2021 के लोक सभा मौखिक प्रश्न सं. +*364 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

पर्यटन के विकास और संवर्धन का कार्य मुख्य रूप से राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है। तथापि पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन और प्रशाद नामक अपनी योजनाओं के अंतर्गत देश में पर्यटन अवसंरचना तथा सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता देता है। राज्य सरकारों द्वारा परियोजना प्रस्ताव प्रस्तुत करना और उसकी स्वीकृति एक सतत प्रक्रिया है। इन योजनाओं के तहत विकास हेतु परियोजनाओं की पहचान राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों के परामर्श से की जाती है और परियोजना प्रस्तावों की प्रस्तुति, उनके द्वारा संगत योजना दिशा निर्देशों के अनुपालन, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, निधियों की उपलब्धता तथा पहले जारी की गई निधियों की उपयोगिता की शर्त पर इन परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की जाती है।

पर्यटन मंत्रालय ने मेलों और महोत्सवों तथा पर्यटन संबंधी समारोहों के आयोजन के लिए राज्य सरकारों/ संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता देने संबंधी दिशानिर्देशों के तहत वर्ष 2019-20 में हंपी उत्सव 2020 के लिए कर्नाटक सरकार को 25 लाख रुपए की वित्तीय सहायता दी है।

पर्यटन मंत्रालय ने प्रतिष्ठित पर्यटक स्थल विकास परियोजना के अंतर्गत विकास हेतु देश में 19 स्थलों को अभिज्ञात किया है। कर्नाटक में स्थित हंपी इन 19 स्थलों में शामिल है।

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार, प्राचीन विरासत एवं संस्कृति सहित भारत का संवर्धन एक संपूर्ण पर्यटक गंतव्य के रूप में करता है और ग्रामीण पर्यटन सहित देश के पर्यटन उत्पादों और गंतव्यों के संवर्धन के लिए अतुल्य भारत ब्रांड लाइन के तहत चल रहे अपने कार्यकलापों के एक भाग के रूप में घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, ऑनलाइन तथा आउटडोर मीडिया अभियान जारी करता है। यह मंत्रालय अपनी वेबसाइट तथा समय-समय पर तैयार की गई प्रचार एवं संवर्धन सामग्री के माध्यम से भी पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का संवर्धन करता है।

इस संबंध में, कर्नाटक सरकार ने कर्नाटक में पर्यटन के संवर्धन के लिए राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में भी सूचित किया है। कर्नाटक सरकार राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों, इन्वेस्टर मीट, महोत्सवों, ट्रूर ट्रैवल मार्केट में भागीदारी, गुणवत्तायुक्त संवर्धनात्मक सामग्री के प्रकाशन और उत्पादन,तथा थीम अभियानों के माध्यम से विज्ञापन, पर्यटन सूचना के प्रसार आदि के माध्यम से राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य के संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत है। कर्नाटक की सरकार द्वारा पर्यटन के संवर्धन के लिए किए गए कार्यकलापों की संक्षिप्त जानकारी **अनुबंध** में दी गई है।

*****

अनुबंध

कर्नाटक में पर्यटन को बढ़ावा के संबंध में दिनांक 22.03.2021 के लोक सभा मौखिक प्रश्न सं. +*364 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में **विवरण**

कर्नाटक में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर टिप्पणी ।

1. कर्नाटक पर्यटन का अवलोकन

कर्नाटक राज्य में विभिन्न पर्यटन उत्पाद हैं जैसे समुद्र तट, हिल स्टेशन, विरासत स्मारक, राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य आदि। पर्यटन संपत्ति की विविधता को देखते हुए, राज्य को टैगलाइन "एक राज्य, कई संसार" के तहत बढ़ावा दिया जाता है। पर्यटन विभाग, कर्नाटक सरकार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों, निवेशकों से मिलने, त्योहारों, टूर ट्रैवल बाजारों में प्रकाशन और गुणवत्ता संवर्धनात्मक सामग्री के उत्पादन और थीम अभियान करके, पर्यटन सूचना के प्रसार आदि के माध्यम से विज्ञापन करके राज्य के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर दोनों को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

कर्नाटक पर्यटन के लिए प्रचार गतिविधियों के लिए बजट इस प्रकार है: -

(रु. करोड़ में)

क्रमांक	**वर्ष**	**बजट**
1	**2019-20**	48.02 रु.
2.	**2020-21**	44.90 रु.
3.	**2021-22**	95.00 रु

पर्यटन विभाग और इसके उपक्रमों द्वारा किए गए संवर्धनात्मक कार्यकलापों का सारांश निम्नलिखित वर्गों में संक्षेप में प्रस्तुत किया गया है।

2. कर्नाटक पर्यटन का विपणन

(क) पर्यटन अभियान

कर्नाटक पर्यटन राज्य को "स्क्रिप्ट योर एडवेंचर" थीम के साथ बढ़ावा दे रहा है। इस अभियान को विपणन अभियान (राज्य और शहर) श्रेणी में विश्व स्तर पर प्रसिद्ध पाटा गोल्ड अवार्ड 2020 प्राप्त हुआ।

थीम के अनुरूप, एक ब्रांड अभियान टीवीसी के साथ-साथ एक प्रिंट विज्ञापन अभियान और मार्केटिंग कोलेटरल लॉन्च किए गए । पिछले वर्षों में कर्नाटक पर्यटन के लिए उत्पन्न गति को बनाए रखने के लिए, स्क्रिप्ट योर एडवेंचर थीम को 2018 के बाद से प्रचार और संवर्धन अभियान के साथ जारी रखा गया है।

(ख) यात्रा एवं पर्यटन मार्ट:

पर्यटन को बढ़ावा देने के हिस्से के रूप में, पर्यटन विभाग अन्यों के साथ-साथ हर साल राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य कार्यक्रमों जैसे मार्ट, एक्सपो, प्रदर्शनियों और उत्सव में भाग

लेता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान, कर्नाटक पर्यटन ने दुनिया भर के 25+ शहरों और भारत के 25+ शहरों में यात्रा मार्टों और रोड शो में भाग लिया है।

2019-20 में कर्नाटक पर्यटन ने 6 अंतर्राष्ट्रीय यात्रा और पर्यटन मार्टों और 19 घरेलू यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य मार्टों में भाग लिया।

क	**अंतर्राष्ट्रीय यात्रा, पर्यटन और आतिथ्य कार्यक्रमों की सूची**
1.	अरेबियन ट्रैवल मार्केट 2019, दुबई
2.	JATA पर्यटन एक्सपो जापान 2019, ओसाका
3.	इंटरनेशनल एंड फ्रेंच ट्रैवल मार्केट (आईएफटीएम) - टॉप रीसा 2019, पेरिस
4.	वर्ल्ड ट्रैवल मार्केट- डब्ल्यूटीएम 2019- लंदन
5	अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन व्यापार मेला- FITUR 2020, मैड्रिड
6	न्यूयॉर्क टाइम्स ट्रैवल शो 2020, न्यूयॉर्क

ख	**घरेलू यात्रा पर्यटन और आतिथ्य कार्यक्रमों की सूची**
1.	यात्रा और पर्यटन मेला- टीटीएफ- कोलकाता
2.	यात्रा और पर्यटन मेला- टीटीएफ- हैदराबाद
3.	इंडिया इंटरनेशनल ट्रेवल मार्ट – आईआईटीएम बैगलूरू
4	इंडिया इंटरनेशनल ट्रेवल मार्ट –चेन्नई
5	टीटीएफ-अहमदाबाद
6	टीटीएफ-सूरत
7	इंडिया इंटरनेशनल ट्रेवल मार्ट - दिल्ली
8	इंडिया इंटरनेशनल ट्रेवल मार्ट – कोचीन
9	साउथ एशिया ट्रैवल टूरिज्म इवेंट (साटे), दिल्ली
10	आउटबाउंड ट्रैवल मार्केट- ओटीएम- मुंबई
11	टीटीएफ- बैगलूरू
12	इंडिया ट्रैवल मार्ट- आईटीएम- गोवा
13	पर्यटन पर्व
14	भारत पर्व
15	अतुल्य भारत वैश्विक पर्यटन मार्ट- आईजीटीएम- नई दिल्ली
16	हॉलीडे एक्सपो- कोयंबटूर
17	11 वां ग्रेट भारतीय यात्रा बाजार-जीआईटीबी- जयपुर
18	इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स- आईएटीओ वार्षिक सम्मेलन
19	एसकेएएल एशिया विश्व कांग्रेस
20	बेंगलुरु टेक. समिट
21	आनंदबाजार पत्रिका- एबीपी टूरिस्ट स्पॉट- कोलकाता
22	गोवा फिल्म बाजार

23	वैश्विक प्रदर्शनियाँ और सेवाएँ बेंगलुरु
24	107 वीं भारत विज्ञान कांग्रेस

(ग) पर्यटन रोडशोज़:

अपने विपणन अभियानों और कार्यक्रमों में भागीदारी के अलावा, पर्यटन विभाग उन बाजारों के पर्यटन उद्योग और पर्यटन सेवा प्रदाताओं के साथ सीधे जुड़ने के लिए कई घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय शहरों में रोड शो आयोजित करता है।

2019-20 में, कर्नाटक पर्यटन ने 9 अंतर्राष्ट्रीय रोडशो और 14 घरेलू रोडशो आयोजित किए। 2019-20 के लिए कर्नाटक पर्यटन रोडशो की सूची इस प्रकार है: -

क्रमांक	अंतर्राष्ट्रीय शहर	घरेलू शहर
1	टोक्यो	नई दिल्ली
2	मैनचेस्टर	लखनऊ
3	लंदन	कोलकाता
4	मिलान	चेन्नई
5	मैड्रिड	गुवाहाटी
6	बार्सिलोना	पुणे
7	न्यूयॉर्क	हैदराबाद
8	शिकागो	विशाखापत्तनम
9	लॉस एंजिल्स	अहमदाबाद
10		कोचीन
11		कोयंबटूर
12		भुबनेश्वर
13		रायपुर
14		वडोदरा
15		सूरत
16		इंदौर

(घ) वेबसाइट और मोबाइल ऐप:

कर्नाटक पर्यटन के लिए एक नई वेबसाइट और मोबाइल ऐप का विकास चल रहा है। नई वेबसाइट पर्यटकों और निवेशकों के लिए एक कदम पोर्टल के रूप में राज्य के पर्यटन प्रस्ताव अधिनियम पर विभिन्न जानकारी प्रदान करेगी

नई वेबसाइट के विकास के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं :

- विदेशी पर्यटकों पर प्राथमिक ध्यान देने के साथ पर्यटकों को आकर्षित करने और बनाए रखना,
- कर्नाटक के गंतव्यों और कर्नाटक के पर्यटन आकर्षणों की विविधता का प्रदर्शन,
- टूर पैकेज के बारे में और अधिक गतिविधि-आधारित सामग्री और विवरण आदि प्रदान करना, ताकि पर्यटकों के लिए यात्रा की योजना बनाने का सुविधाजनक बनाया जा सके।
- फ़ोटो, वीडियो के लिए अधिक महत्व के साथ एक एर्गोनोमिक साइट बनाना ताकि पर्यटकों के लिए अधिक आकर्षक हो सकें और व्यस्त रख सके ।

वेबसाइट कर्नाटक पर्यटन के "वन स्टेट, कई वर्ल्ड" में प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करती है और डिजिटल स्पेस में कर्नाटक पर्यटन की सक्रिय उपस्थिति के लिए लंगर के रूप में कार्य करती है।

(ड.) **सोशल मीडिया**

कर्नाटक पर्यटन ने अपनी डिजिटल मार्केटिंग गतिविधियों के लिए एक मजबूत शुरुआत की है और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अन्य डिजिटल चैनलों पर कर्नाटक पर्यटन के संवर्धन के लिए एक समर्पित डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी का गठन किया गया है। इससे कर्नाटक पर्यटन की सोशल मीडिया उपस्थिति में तेजी से वृद्धि हुई है।
कर्नाटक पर्यटन के लिए आधिकारिक फेसबुक पेज(https://www.facebook.com/karnatakaworld/) के उपयोगकर्ताओं की संख्या अगस्त 2019 में 26 हजार थी जो मार्च 2021 में बढ़कर 12.25 लाख उपयोगकर्ता हो गई हैं। इसके अलावा कर्नाटक पर्यटन के आधिकारिक पृष्ठ पर ट्विटर पर 54.4 हजार और इंस्टाग्राम पर 91.9 हजार उपयोगकर्ता हैं। इसके अलावा, जंगल लॉज और रिसॉर्ट्स के फेसबुक पेज(https://www.facebook.com/jlr.junglelodges/) पर नौ लाख से अधिक उपयोगकर्ता हैं और कर्नाटक राज्य पर्यटन विकास निगम के फेसबुक पेज (https://www.facebook/com/KSTDCLtd1/) पर लगभग दो लाख उपयोगकर्ता हैं।

चल रही महामारी के दौरान, विभाग और उसके उपक्रम अपने सोशल मीडिया चैनलों का उपयोग कर्नाटक के पर्यटन उत्पादों को बढ़ावा देने के साथ-साथ ग्राहकों को पर्यटन गतिविधियों के दौरान सुरक्षा और स्वच्छता प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए कर रहे हैं।

(च) **त्यौहार और प्रायोजित कार्यक्रम**

2019-20 में पर्यटन विभाग द्वारा प्रायोजित महोत्सवों और कार्यक्रमों के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं:

क्रमांक	महोत्सव	प्रायोजित कार्यक्रम
1	विश्व पर्यटन दिवस समारोह	राज्य सब जूनियर और जूनियर एक्वाटिक चैम्पियनशिप
2	मैसूरू दशहरा	बंगाली फिल्म महोत्सव
3	श्रीरंगपट्टन दशहरा	पर्यटन पर गार्डन सिटी 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
4	गगनचूकी महोत्सव	एफएचआईवी रॉयल क्लासिक कार ड्राइव

5	चुनचनकटे महोत्सव	चिकमगलूर अल्ट्रा रन मलनाड
6	दशहरा ग्रामीण पर्यटन उत्पाद प्रदर्शनी, रामनगर	रंग शंकराचार्य नाट्य महोत्सव
7	दशहरा ग्रामीण पर्यटन उत्पाद प्रदर्शनी, मांड्या	विश्व पर्यटन दिवस समारोह - एमएस रमैया कॉलेज
8	कोप्पल उत्सव	एनडीए रंगा मंदिर-बेंगलुरु में संगीत कार्यक्रम
9	मैसूरू शरद उत्सव	श्री करिकाना परमेश्वरी महोत्सव
10	हाम्पी महोत्सव	मंगलुरु क्लासिक कार कार्निवल
11	बनवासी कदम्बोत्सव महोत्सव उत्तर कन्नडा	चित्रकला परिषद में चित्रान्त
12	चिक्कमगलुरु जिला उत्सव	चिकमगलूर ब्लासम
13	मैसूरू योग दिवस	ऑलव्स कल्चरल प्रोग्राम स्पॉन्सरशिप हम्पी-एंगुंडी उत्सव
14		सप्तस्वर संगीत कार्यक्रम
15		रंगा समब्रमा, रंग संगमा कार्यक्रम

3. कर्नाटक पर्यटन नीति 2020-25:

क. नीति की अवधि के दौरान 5,000 करोड़ रूपए के निवेश को आकर्षित करने और 10 लाख नौकरियों के सृजन के लिए नीति की कल्पना की गई है।

ख. राज्य भर में विभिन्न प्रकार के **350+ पर्यटन परियोजनाओं** के निर्माण के लिए नीति का अनुमान है। नीति, पर्यटन परियोजनाओं और पर्यटन सेवा प्रदाताओं के लिए प्रोत्साहन, सब्सिडी और रियायतों की एक श्रृंखला प्रदान करती है

ग. ग्रामीण और कृषि, संस्कृति, विरासत, पर्यावरण, तटीय, और साहसिक सहित **18 पर्यटन विषयों** और नीति अवधि के दौरान समर्थन के लिए **26 पर्यटन परियोजनाओं** की पहचान की गई है।

घ. पर्यटन के क्षेत्र के प्राथमिकता वाले समान विकास के कर्नाटक के सभी जिलों में पर्यटन गंतव्यों पर ध्यान दिया जा रहा है।

ड़. कर्नाटक पर्यटन नीति 2020-25 के माध्यम से, कर्नाटक पर्यटन घरेलू और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कर्नाटक को बढ़ावा देने के लिए **360 * मार्केटिंग रणनीति** को अपनाएगा, जो कि अधिक पर्यटकों को आकर्षित करेगा और कर्नाटक को सबसे पसंदीदा स्थान के रूप में स्थान देगा।

4. पर्यटन स्थलों का विश्व स्तरीय विकास

क. कर्नाटक भारत का एकमात्र राज्य है, जहां दो ब्लू फ्लैग समुद्र तट हैं- उत्तरी कन्नडा में होन्नावर के पास - कसरकोड तट और उडुपी के पास पदुबिद्री तट ।

ख. **जोग फॉल्स का विकास**: कर्नाटक सरकार ने पर्यटन अवसंरचना और सुविधाओं के व्यापक विकास के लिए 165 करोड़ रुपए से अधिकृत किया है ।

ग. **नंदी हिल्स और केम्मंगुंडी** को केएसटीडीसी और जेएलआर को क्रमशः विश्व स्तरीय ईको-पर्यटन स्थलों के रूप में विकास के लिए सौंप दिया गया है।

घ. कर्नाटक राज्य पर्यटन विकास निगम के माध्यम से अवसंरचना में सुधार करके बेंगलुरु के आसपास के पर्यटक स्थलों को सप्ताहांत पर्यटन सर्किट के रूप में चिह्नित और विकसित किया जाएगा।

ड़. थ्रसी, मारवन्थे, ओटिनि सोमेश्वर, और अन्य समुद्र तटों सहित तटीय स्थलों का विकास किया जाएगा।

च. **हम्पी को प्रतिष्ठित गंतव्य** स्कीम के तहत विकसित किया जा रहा है और मास्टर प्लान के बारे में जानकारी दी गई है।

छ. **चामुंडेश्वरी मंदिर, मैसूरू** को पर्यटन मंत्रालय की प्रशाद योजना के तहत विकसित करने का प्रस्ताव किया गया है।

ज. **पट्टडकल, चित्रदुर्ग, बादामी और विजयपुरा** को सड़क संपर्क में सुधार और पर्यटन मंत्रालय और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के बीच समन्वय में बेहतर सुविधाओं के प्रावधान के लिए चिह्नित किया गया है।

5. कर्नाटक अंतर्राष्ट्रीय यात्रा एक्सपो 2021

क. कर्नाटक अंतर्राष्ट्रीय यात्रा एक्सपो 2019

पर्यटन विभाग, कर्नाटक सरकार और कर्नाटक पर्यटन सोसायटी ने संयुक्त रूप से "कर्नाटक अंतर्राष्ट्रीय यात्रा एक्सपो" के उद्घाटन संस्करण की मेजबानी की। यह कार्यक्रम 25-27 अगस्त 2019 से आयोजित किया गया था और इसमें 30 देशों के 400 से अधिक पंजीकृत खरीदारों और मीडिया कर्मियों की भागीदारी थी।

कर्नाटक अंतर्राष्ट्रीय यात्रा एक्सपो का मुख्य लक्ष्य कर्नाटक पर्यटन को दुनिया के सामने प्रदर्शित करना और राज्य के पर्यटन क्षेत्र के समग्र आकार को बढ़ाना था। इस कार्यक्रम ने अंतर्राष्ट्रीय और भारतीय खरीदारों और विक्रेताओं को एक साथ लाने के लिए लगभग 10,000 बी 2 बी बैठकों की सुविधा प्रदान की है, जो कर्नाटक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हैं और आगंतुकों को कर्नाटक के विभिन्न पर्यटन उत्पादों के लिए प्रथम-हाथ प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करते हैं। बी 2 बी मीटिंग में कर्नाटक में पर्यटन उद्योग के लिए अपार व्यापार के अवसरों की पेशकश करने की क्षमता है।

कर्नाटक अंतर्राष्ट्रीय यात्रा एक्सपो (केआईटीई) **2019 की मुख्य विशेषताएं:**

- भारत के सबसे बड़े मेजबान क्रेता यात्रा कार्यक्रम में से एक
- कर्नाटक में पहली बार इस तरह का आयोजन किया गया है, जो इस तरह के आयोजन को सफलतापूर्वक आयोजित करने वाला भारत का छठा राज्य है
- कर्नाटक में 2 दिनों के लिए पर्यटन हितधारकों के बीच 10,000 से अधिक बी 2 बी बैठकें
- कर्नाटक के विभिन्न स्थलों और मार्की उत्पादों का प्रतिनिधित्व करने वाले 100 से अधिक प्रदर्शक
- अंतरराष्ट्रीय बाजारों से 17 प्रतिनिधियों सहित 40 से अधिक मीडिया प्रतिनिधियों और ब्लॉगर्स से कवरेज।
- कर्नाटक के 15 से अधिक विभिन्न पर्यटन खंडों में हेरिटेज, वाइल्डलाइफ, एडवेंचर, समुद्रतट, आध्यात्मिक, इकोटूरिज्म, निरोगता, और मीटिंग्स एंड कॉन्फ्रेंस का प्रदर्शन किया गया।

- केआईटीई कार्यक्रम के पहले और बाद में कर्नाटक के प्रमुख गंतव्यों से परिचित कराने के लिए टूर्स का आयोजन किया गया। प्रमुख स्थलों में हम्पी, कूर्ग, कांबिनी, मैसूर, चिकमगलूर, विजयपुरा, बादामी और पट्टदकल शामिल हैं।

ख. कर्नाटक पर्यटन को प्रदर्शित करने और पर्यटन क्षेत्र के पुनरुद्धार को बढ़ावा देने के लिए अगस्त 2021 में कर्नाटक अंतर्राष्ट्रीय यात्रा एक्सपो 2021 का आयोजन किया जा रहा है। घरेलू पर्यटन पर मुख्य रूप से ध्यान दिया जाएगा।

6. कर्नाटक पर्यटन निवेशकों की बैठक

राज्य के पर्यटन क्षेत्र में निवेश को उत्प्रेरित करने के लिए 2021 में निवेशकों की बैठक आयोजित की जाएगी।

7. कर्नाटक में पर्यटन के विकास और संवर्धन के लिए सरकार द्वारा की गई अन्य उल्लेखनीय गतिविधियाँ

क. **उद्योग का दर्जा** : कर्नाटक सरकार ने हाल ही में कर्नाटक में स्टार-वर्गीकृत होटलों को उद्योग की स्थिति के अनुसार मंजूरी दी है। जिन प्रतिष्ठानों को पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार से स्टार वर्गीकरण प्राप्त हुआ है, वे उद्योग का दर्जा प्राप्त कर सकते हैं।

इस निर्णय से संपत्ति कर और बिजली शुल्क के लिए उद्योग दरों का लाभ उठाने सहित विभिन्न लाभों के माध्यम से आतिथ्य क्षेत्र की वसूली को बढ़ावा देने की उम्मीद है।

ख. **कोविड -19 महामारी के दौरान समर्थन**: पर्यटन विभाग ने महामारी के प्रभाव को दूर करने के लिए राज्य के पर्यटन उद्योग के साथ नियमित विचार-विमर्श किया और समझा कि पर्यटन उद्योग के अस्तित्व और पुनरुत्थान के लिए आवश्यक सहायक उपाय क्या हैं।

08 जून, 2020 को कर्नाटक में लॉकडाउन प्रतिबंधों की ढील की प्रत्याशा में पर्यटकों और पर्यटन सेवा प्रदाताओं के लिए कोविड-19 तैयारी प्रोटोकॉल जारी करने वाला भारत का पहला राज्य था। स्टार-वर्गीकृत होटलों के लिए उद्योग की स्थिति, यात्रा प्रतिबंधों में ढील और टैक्सी और ऑटो चालकों को सरकारी सहायता जैसे उपायों के माध्यम से पर्यटन के पुनरुद्धार की सुविधा के लिए प्रयास किए गए हैं।

ग. **गोल्डन रथ**: गोल्डन रथ दक्षिण भारत की एकमात्र लक्जरी ट्रेन है और यह कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी से होकर गुजरती है । यह कर्नाटक पर्यटन के प्रमुख पर्यटन उत्पादों में से एक है जो परिचालन को फिर से शुरू करने के लिए तैयार है। केएसटीडीसी ने गोल्डन रथ के विपणन, संचालन और रखरखाव के लिए आईआरसीटीसी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। गोल्डन रथ अब बुकिंग के लिए खुला है और जल्द ही परिचालन शुरू होगा ।

घ. **जिला पर्यटन संवर्धन परिषद**: प्रत्येक जिले में संबंधित जिलों के उपायुक्तों की अध्यक्षता में एक जिला पर्यटन प्रोत्साहन परिषद है। जिला पर्यटन प्रचार परिषद संबंधित जिलों में पर्यटन गतिविधियों की देखरेख करती है और पर्यटन कार्यों की प्रगति की निगरानी भी करती है।

ङ. **विरासत पर्यटन**: राज्य में विरासत पर्यटन के समग्र विकास को सुगम बनाने के लिए पुरातत्व, संग्रहालय और विरासत विभाग को भी पर्यटन विभाग के दायरे में लाया गया था।

******